Maternal Health Division
Ministry of Health and Family Welfare
Government of India

प्री–एक्लैम्पसिया

• बीपी ≥ 140/90 दो अवसरों पर, 4 घंटे की अवधि में • पेशाब में प्रोटीन ≥ ट्रेस या ≥ 300 मिग्रा/24 घंटे के सैम्पल में • गर्भ की उम्र > 20 सप्ताह

प्री–एक्लैपसिया

- बीपी ≥ 140/90
- पेशाब में प्रोटीन ≥ ट्रेस या ≥300 मिग्रा/24 घंटे में

- जाँचने परखने के लिए भर्ती करें
- आश्वासन दें, खाने में नमक न रोके
- आराम करने को कहें, जिसमें थोड़ा बहुत चल सकते हैं
- जब नीचे का बीपी ≥ 100 हो तो रक्तचाप कम करने की दवा शुरू करें
- अल्फा मिथाईल डोपा 250–500 मिलीग्राम की गोली 6–8 घंटे की अवधि में दें (ज़्यादा से ज्यादा 2 ग्राम प्रति दिन), या
- लेबिटेलॉल 100 मिलीग्राम की गोली सुबह–शाम (ज्यादा से ज़्यादा 2.4 ग्राम प्रति दिन)
- जाँच करें – हीमोग्राम, एलएफटी, केएफटी, सीरम यूरिक ऐसिड, सीरम एलडीएच और **आँख** के फंडस की जाँच
- बीपी और पेशाब की मात्रा की निगरानी करें

- हल्की बीमारी में ओपीडी में ही प्रबंधन करते रहें
- यदि रक्तचाप या पेशाब में प्रोटीन बढ़ रहा हो तो भर्ती रखना जारी रखें
- नियमित रूप से गर्भ और माता की स्थिति जानते रहें (बच्चा कितना घूम रहा है, एनएसटी, एएफआई, वज़न, बीपी और पेशाब की मात्रा की निगरानी, हर हफ्ते हीमोग्राम, एलएफटी, केएफटी, सीरम यूरिक ऐसिड, सीरम एलडीएच)

- नीचे के बीपी को 90–100 तक बनाये रखें
- बच्चे की स्थिति ख़राब नहीं है

- 38–39 हफ्ते में डिलीवरी करायें

यदि बीमारी तीव्र हो गई है तो तीव्र प्री–एक्लैम्पसिया की तरह प्रबंधन करें

डाईयूरेटिक (पेशाब बढ़ाने की दवा) की कोई भूमिका नहीं है

मेडिकल कॉलेज, डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल और एफआरयू में प्रयोग के लिए

तीव्र प्री–एक्लैम्पसिया

- बीपी ≥ 160/110
- डिपिस्टक से पेशाब में प्रोटीन ≥ 3+ या ≥ 5 ग्राम/24 घंटे
- सिरदर्द, ऐपीगेस्ट्रीक दर्द, धुंधला दिखना, पेशाब कम आना, फेफड़े में पानी भरना, खून में थ्रोम्बोसाईट का कम होना, आईयूजीआर, क्रियेटनिन > 1.2 मिलीग्राम/100 मिली लीटर, ↑सीरम ट्रान्सएमीनेज़ स्तर, सीरम एलडीएच > 600 आईयू/लीटर

- तुरन्त भर्ती करें
- बीपी कम करने की दवा शुरू करें
- तुरन्त मुँह से निफेडिपिन 10 मिलीग्राम की गोली खिलायें, ज़रूरत पड़ने पर 30 मिनट बाद दोहरायें, या
- इन्ज़ेक्शन लेबिटेलॉल 20 मिलीग्राम आईवी बोलस, यदि बीपी नियंत्रण में नही तो 40 मिलीग्राम 10 मिनट के बाद दें, फिर 80 मिलीग्राम हर 10 मिनट में दें (ज्यादा से ज्यादा 220 मिलीग्राम), इन सबके साथ दिल की निगरानी करते रहें

- निफेडिपिन 10 मिलीग्राम दिन में 3 बार जारी रखें (ज्यादा से ज्यादा 80 मिलीग्राम प्रति दिन), या लेबिटेलॉल की गोली 100 मिलीग्राम सुबह–शाम (ज्यादा से ज्यादा 2.4 ग्राम प्रति दिन)
- जाँच करें – हीमोग्राम, एलएफटी, केएफटी, सीरम यूरिक ऐसिड, सीरम एलडीएच और आँख के फंडस की जाँच
- यूरिन की मात्रा को नियमित देखकर चार्ट में भरते रहें
- बीपी की नियमित निगरानी कर चार्ट में भरें

< 24 सप्ताह

≥ 24 – < 34 सप्ताह

≥ 34 सप्ताह

≥ 37 सप्ताह

हर माँ का उसकी ज़रूरत अनुसार ईलाज करें

गर्भ को बचाना मुश्किल

इन्ज़ेक्शन बीटामीथासोन
- 12 मिलीग्राम आईएम
- 24 घंटे बाद 12 मिलीग्राम दोहरायें

बीपी नियंत्रण में
- रिस्तेदारों को माँ और बच्चे पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव को समझायें
- नियमित रूप से गर्भ और माता की स्थिति जानते रहें

37 हफ्ते पर गर्भ को बाहर निकालें

बीपी नियंत्रण में नहीं
- चिकित्सकीय स्थिति/जैव–रासायनिक पैमाने बिगड़ रही है
- गर्भ की स्थिति बिगड़ने के चिन्ह आ रहे हैं

- गर्भ को समाप्त करें
- बिशप स्कोर के आधार पर लेबर को इन्ड्यूज़ करें और एक्लैम्पसिया में दी जाने वाली मैगसेल्फ को दें